

सूडियो न्यूज

वर्ष : 10 अंक : 04

लखनऊ, मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026 से 5 नवम्बर 2026

पृष्ठ : 16

मूल्य : 10 रुपये



SIGMA

CONTEMPORARY
20-60mm F2.8-4 DG


LK SAMYANG



 **BAJAJ
FINSERV**
EMI AVAILABLE

Prima Series

BEYOND LIGHTWEIGHT

Portability . Practicality . Perfect for Creators



**3 YEARS
WARRANTY**

www.lksamayang.com

 **INNOVATIVE TECH**
DISTRIBUTION PVT LTD

Importer and Distributor for North India

308 A, 3rd Floor, NDM 1 Tower,
Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi - 110034

Web: www.intechdistribution.com , Email : intechdelhi@gmail.com

Follow SAMYANG - INDIA NORTH on  

Information & Sales - 011-43082205, 9050806575, Service Centre- 9871272689

Canon

Delighting You Always



EOS R8 Mark II

फुल-फ्रेम मिररलेस

खोजने और नई रचना के लिए तैयार

दुनिया को एक अलग नज़रिए से देखें



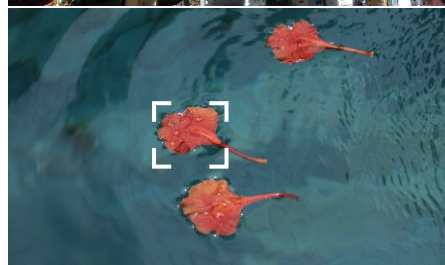
सिनेमा गुणवत्ता वाला वीडियो आउटपुट

सिनेमा, बिना क्रॉप किए गए 4K 60p और Full HD में 180p तक रिकॉर्डिंग के साथ अपनी कहानियों को जीवंत बनाएं। इसमें ऑडियो सपोर्ट भी दिया गया है, जिससे शानदार स्लो-मोशन प्लेबैक का अनुभव मिलता है। Canon Log 3 के साथ पोस्ट-प्रोडक्शन में और अधिक लचीलापन पाएं।



कैमरे के अंदर इमेज स्थिरीकरण

आत्मविश्वास के साथ शूट करें, क्योंकि इसमें 7.5 स्टॉप तक की समन्वित इमेज स्टेबिलाइज़ेशन सुविधा है, जो हाथ में कैमरा पकड़कर अधिक स्थिर फ़ोटो और वीडियो लेने में मदद करती है।



ऑटोफोकस क्षमता

इंटेलिजेंट सब्जेक्ट डिटेक्शन और 100% ऑटोफोकस फ्रेम कवरेज के साथ लगातार ट्रैकिंग की सुविधा से और भी स्पष्ट तस्वीरें कैप्चर करें। जब आपका सब्जेक्ट थोड़ी देर के लिए नज़रों से ओझल हो जाए, तब भी सिस्टम फोकस बनाए रखता है और लगभग पूरी तरह अंधेरे में भी -7.5 EV तक की प्रभावशाली लो-लाइट क्षमता के साथ फोकस लॉक कर सकता है।



हर पल को कैद करें

शटर दबाने से पहले की लगातार शूटिंग और विस्तारित बफ़र के साथ 40 fps तक की स्पीड पर बिल्कुल शांत शूटिंग करें, जो एक ही बर्स्ट में 73 RAW इमेज तक कैप्चर करने में सक्षम है। शटर को पूरी तरह दबाने से पहले आधे सेकंड तक की शूटिंग रिकॉर्ड करें, जिससे सही पल को कैप्चर करने के लिए आपको अतिरिक्त फ्रेम मिल सकें।

NEGATIVE FILM TONE 「NEW」



POSITIVE FILM TONE 「NEW」



कैमरे में उपलब्ध रंग प्रोफ़ाइल

Canon की पिक्चर शैलियों, फिल्म टोन रंग फिल्टर और वीडियो के लिए कस्टम पिक्चर सेटिंग्स के साथ नए रचनात्मक अंदाज़ आजमाएं। दृश्य के आधार पर दिए गए रंग मोड और 16 रंग फिल्टर विकल्पों की मदद से अपने विषय के रंगों को आसानी से अनुकूलित करें। ये सुविधाएं कैमरे से सीधे JPEG तस्वीरों और वीडियो को साझा करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार की गई हैं।



सम्पादक की कलम से ...

प्रिय फोटोग्राफर्स साथियो,

फोटोग्राफी आज जिस दौर से गुजर रही है, वह केवल तकनीकी बदलाव का दौर नहीं है। यह पूरी इमेजिंग इंडस्ट्री के स्वरूप बदलने का समय है। कैमरा बेहतर हो रहा है, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (AI) तेजी से फोटोग्राफी वर्कफ्लो का हिस्सा बन रही है, एडिटिंग पहले से अधिक स्वचालित हो रही है, वीडियो और रील्स की मांग बढ़ रही है और ग्राहक की अपेक्षाएं भी लगातार बदल रही हैं। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि अगला कैमरा कितना बेहतर होगा, बल्कि यह है कि आने वाले समय का फोटोग्राफर कितना बेहतर तैयार होगा।

कुछ वर्ष पहले तक एक प्रोफेशनल फोटोग्राफर की पहचान उसके कैमरे, लेंस, लाइटिंग और एडिटिंग स्किल से होती थी। आज इन सबके साथ तकनीकी की समझ, सोशल मीडिया पर उपस्थिति, कंटेंट क्रिएशन, त्वरित सेवा और व्यवसाय प्रबंधन भी उतने ही जरूरी हो गए हैं। यानी फोटोग्राफी अब केवल तस्वीर खींचने की कला नहीं रही, बल्कि यह तकनीकी और रचनात्मकता के बीच का एक मजबूत व्यवसाय बन चुकी है।

इस बदलाव का सबसे बड़ा केंद्र AI है। हजारों तस्वीरों वाले वेडिंग शूट में बेहतरीन तस्वीरें चुनने से लेकर फोटो में छोटे-बड़े बदलाव करने तक AI समय और मेहनत दोनों बचा रही है। आने वाले समय में टेक्स्ट या वॉयस कमाण्ड के माध्यम से फोटो एडिटिंग का उपयोग और सामान्य हो सकता है। लेकिन यहां एक भ्रम दूर करना जरूरी है। AI फोटोग्राफर की जगह लेने नहीं आ रही, बल्कि फोटोग्राफर के काम करने का तरीका बदल रही है। कैमरा टेक्नोलॉजी में भी लगातार बड़े बदलाव हो रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हर नया मॉडल आते ही पुराना कैमरा बदल देना चाहिए। खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों के फोटोग्राफरों को अपने निवेश को जरूरत और कमाई के हिसाब से देखना होगा। यदि मौजूदा कैमरा ग्राहक की आवश्यकता पूरी कर रहा है, तो अगला निवेश लाइटिंग, कम्प्यूटर, स्टोरेज, बैकअप, ऑडियो, एडिटिंग या मार्केटिंग में अधिक उपयोगी साबित हो सकता है।

दूसरा बड़ा बदलाव वेडिंग फोटोग्राफी में दिखाई दे रहा है। आज ग्राहक केवल अच्छी तस्वीरें नहीं चाहता। उसे रील्स, शॉर्ट वीडियो, टीजर, BTS कंटेंट और सोशल मीडिया पर तुरंत साझा करने योग्य सामग्री भी चाहिए। इस कारण एक वेडिंग अब केवल फोटोग्राफी असाइनमेंट नहीं रह गई है। वह धीरे-धीरे Complete Visual Content Assignment बन रही है। आने वाले समय में फोटोग्राफर के साथ कंटेंट क्रिएटर और वीडियो एडिटर की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। सोशल मीडिया इस बदलाव का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म केवल तस्वीरें दिखाने की जगह नहीं हैं। वे फोटोग्राफर की पहचान, पोर्टफोलियो, मार्केटिंग और नए ग्राहक प्राप्त करने का माध्यम बन चुके हैं। इसलिए अब केवल अच्छी तस्वीर लेना पर्याप्त नहीं है। अपनी शैली, नियमित कंटेंट, ग्राहक अनुभव, BTS और काम की कहानी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत करना भी जरूरी है।

AI के दौर में असली तस्वीर की कीमत और बढ़ेगी। आने वाले समय में कम्प्यूटर से बनाई गई तस्वीरों और कैमरे से खींची गई वास्तविक तस्वीरों में अंतर करना आसान नहीं रहेगा। ऐसे में किसी तस्वीर का सिर्फ खूबसूरत होना ही काफी नहीं होगा, बल्कि उसका असली होना और भरोसेमंद होना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। कैमरे से खींची गई मूल तस्वीर, उसकी RAW फाइल, फोटो की तकनीकी जानकारी (Metadata) और तस्वीर के असली होने का प्रमाण फोटोग्राफी की विश्वसनीयता तय करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। खासकर वेडिंग, न्यूज, डॉक्यूमेंट्री और कमर्शियल फोटोग्राफी में ग्राहक भविष्य में सिर्फ अच्छी तस्वीर नहीं, बल्कि असली और प्रमाणित तस्वीर भी चाहेगा। यानी AI के बढ़ते दौर में ओरिजिनल फोटोग्राफी सिर्फ एक तस्वीर नहीं, बल्कि भरोसे का प्रमाण बनेगी।

आज एक प्रोफेशनल फोटोग्राफर के काम में सिर्फ कैमरे से तस्वीरें खींचना ही शामिल नहीं है। ग्राहक से संपर्क, बुकिंग, ऑनलाइन भुगतान, फोटो का सुरक्षित बैकअप, एडिटिंग, समय पर फोटो देना, सोशल मीडिया पर प्रचार और ग्राहकों से अच्छे संबंध बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। इस बदलते दौर में फोटोग्राफर के सामने रास्ता साफ है। या तो नई तकनीक को समझे, अपने काम करने के तरीके को बदलें और समय के साथ आगे बढ़ें, या फिर पुराने तरीकों से काम करते हुए बदलते बाजार से पीछे रह जाएं।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे, ऐसी ईश्वर से कामना है। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते हैं।

सुरेंद्र सिंह बिष्ट, सम्पादक



बंगाल फोटो वीडियो एक्सपो-26 में दिलीप घोष का गौरवपूर्ण सम्मान

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर

Canon ने पेश किया नया EOS R8 Mark II Full-Frame Mirrorless Camera



Canon ने अपने नए EOS R8 Mark II Full-Frame Mirrorless Camera को पेश किया है, जिसमें पिछले मॉडल की तुलना में महत्वपूर्ण Design और Feature बदलाव किए गए हैं। कैमरे में In-Body Image Stabilization (IBIS), 4Kp60 Video Recording और बेहतर Autofocus Control के लिए AF Joystick दिया गया है। इसे Beginners और Experienced Photographers दोनों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें आसान Shooting Modes के साथ Advanced Features और Manual Controls भी उपलब्ध हैं।

Nikon ने पेश किया कम कीमत वाला Z5 IIC Full-Frame Camera



Nikon ने नया Z5 IIC Full-Frame Mirrorless Camera पेश किया है, जो Z5 II का Simplified Version है। कम कीमत रखने के लिए इसमें EVF हटाया गया है, Rear LCD की Quality को कम किया गया है और Dual Card Slots की जगह Single Card Slot दिया गया है। इसके अलावा AF Joystick भी मौजूद नहीं है। इन बदलावों के कारण Z5 IIC, Z5 II की तुलना में कम कीमत में उपलब्ध होगा। इसे Creators और Photographers के लिए डिजाइन किया गया है।

Sigma ने लॉन्च किया हल्का 85mm f/1.2 DG Art लेंस



Sigma ने अपने बहुप्रतीक्षित 85mm f/1.2 DG Art प्राइम लेंस को लॉन्च कर दिया है। यह लेंस अल्ट्रा-फास्ट f/1.2 अपचर के साथ शानदार ऑप्टिकल क्वालिटी को कॉम्पैक्ट और हल्के डिजाइन में पेश करता है। कंपनी के अनुसार, लेंस बेहतरीन इमेज क्वालिटी के साथ पोर्टेबिलिटी भी प्रदान करता है। खूबसूरत बैकग्राउंड ब्लर, लो-लाइट परफॉर्मेंस और पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के लिए यह लेंस Sigma की Art सीरीज में एक महत्वपूर्ण नया विकल्प है।

Sigma ने लॉन्च किया कॉम्पैक्ट 20-60mm f/2.8-4 DG Contemporary Zoom

Sigma ने फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए नया 20-60mm f/2.8-4 DG Contemporary स्टैंडर्ड जूम लेंस पेश किया



है। इसका 20mm का वाइड एंड सामान्य स्टैंडर्ड जूम लेंस की तुलना में अधिक विस्तृत फील्ड ऑफ व्यू देता है। लैंडस्केप, ट्रैवल, इंटीरियर और डेली फोटोग्राफी के लिए यह उपयोगी होगा। f/2.8-4 के वैरिएबल अपचर के साथ लेंस कॉम्पैक्ट डिजाइन में बेहतर फोकल लेंथ रेंज उपलब्ध कराता है।

Fujifilm GFX Eterna 55 के लिए नया डेडिकेटेड Viewfinder



Fujifilm ने GFX Eterna 55 सिनेमा कैमरा के लिए नए VF-GFXC2 एक्सटर्नल इलेक्ट्रॉनिक व्यूफाइंडर (EVF) के विकास की घोषणा की है। प्रोफेशनल वीडियो प्रोडक्शन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह Viewfinder हाई-रिजॉल्यूशन और बेहतर ब्राइटनेस के साथ शूटिंग के दौरान स्पष्ट मॉनिटरिंग प्रदान करेगा। इसका 4:3 Aspect Ratio Eterna 55 के Open Gate फॉर्मेट से मेल खाता है। इससे फिल्ममेकर्स को फ्रेमिंग और मॉनिटरिंग में अधिक सुविधा मिलने की उम्मीद है।

Sigma ने पेश किए नए स्लिम और बेहतर Lens Filters



Sigma ने अपने नए 20-60mm f/2.8-4 DG Contemporary और 85mm f/1.2 DG Art लेंस के साथ नए Redesigned Lens Filters भी पेश किए हैं। इन Filters को पहले की तुलना में अधिक स्लिम बनाया गया है, जिससे बेहतर ऑप्टिकल परफॉर्मेंस के साथ अतिरिक्त Bulk को कम किया जा सके। फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किए गए ये Filters Lens Protection और Creative Control के लिए उपयोगी होंगे। Sigma का नया Filter Range फोटोग्राफर्स के लिए बेहतर Optical Accessories उपलब्ध कराता है।

Dreame ने पेश किया 8K Leaptic Cube Action Camera



रोबोट वैक्यूम और लॉनमॉवर बनाने के लिए प्रसिद्ध कंपनी Dreame अब Action Camera मार्केट में कदम रखने जा रही है। कंपनी का नया Leaptic Cube 8K Action Camera पहली बार CES 2026 में पेश किया गया था। अब इसे अक्टूबर 2026 में बाजार में उतारने की तैयारी है। इससे पहले IFA Berlin में इसका विस्तृत प्रदर्शन किया जाएगा। 8K वीडियो क्षमता वाला यह कैमरा Action Camera सेगमेंट में Dreame की

नई शुरुआत को दर्शाता है और बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकता है।

DZOFilm ने पेश किए Full-Frame Arles Cinema Zoom Lenses



DZOFilm ने दो नए Full-Frame Cinema Zoom Lenses - Arles Zoom 25-75mm T2.6 और 65-180mm T2.6 पेश किए हैं। कंपनी के अनुसार, इन लेंस को उसकी Arles Cinema Prime सीरीज जैसी ऑप्टिकल परफॉर्मेंस और सिनेमैटिक कैरेक्टर देने के लिए डिजाइन किया गया है। दोनों लेंस में T2.6 का Constant Aperture दिया गया है। दोनों मिलकर Wide-Angle से Telephoto तक की विस्तृत Focal Length Range कवर करते हैं। ये लेंस प्रोफेशनल फिल्ममेकर्स के लिए उपयोगी होंगे।

Sony ने 20 साल बाद पेश किया Full-Frame Fisheye Lens



Sony ने नया FE 8-14mm f/3.5 Fisheye G लेंस पेश किया है। यह कंपनी का E-mount सिस्टम के लिए पहला Fisheye Lens है और लगभग 20 वर्षों में पहला Full-Frame Sony Fisheye Lens भी है। 8-14mm की Ultra-Wide Focal Length Range वाला यह लेंस बेहद व्यापक Field of View उपलब्ध कराता है। Landscape, Architecture, Interior और Creative Photography के लिए यह लेंस खासतौर पर उपयोगी हो सकता है और Sony के Full-Frame E-mount Lens Lineup को विस्तार देता है।

Pentax के मौजूदा K-Series DSLR कैमरों का दौर समाप्त



Ricoh Imaging ने Pentax के सभी मौजूदा K-Series Digital SLR कैमरों का उत्पादन आधिकारिक रूप से बंद कर दिया है। इसके साथ कंपनी के वर्तमान DSLR दौर का एक अध्याय समाप्त हो गया है। Pentax KF और K-1 Mark II इस सीरीज के अंतिम कैमरे थे, जिनमें K-1 Mark II कंपनी का नवीनतम Full-Frame DSLR था। Ricoh ने 2003 में लॉन्च हुए *ist D से अब तक K-Series को समर्थन देने वाले फोटोग्राफर्स का आभार व्यक्त किया है। हालांकि, कंपनी ने Pentax के "नए चरण" में प्रवेश की बात कही है।

OM System ने पेश किया Splashproof 14-42mm Kit Lens

OM System ने नए PEN कैमरे के साथ अपडेटेड M.Zuiko Digital 14-42mm f/3.5-5.6 III Standard Zoom Lens पेश किया है। यह कॉम्पैक्ट Kit Lens 35mm Equivalent में 28-84mm की Focal

शेष पृष्ठ 11 पर ...

SONY



Festive BLOCKBUSTER Offer



BENEFITS UP TO
Rs. 1,09,780*/-

उपलब्ध है

फाइनेंस के विकल्प*

0
DBD

0
DOWN PAYMENT

0
PROCESSING FEES

*यह 18/0 EMI पर लागू है



2+1[^] साल
की वॉरंटी

*रजिस्ट्रेशन करने पर
1 साल की अतिरिक्त वॉरंटी पाने के लिए
www.alphacommunity.in पर
रजिस्टर करें।

आकर्षक
EMI ऑफर

18/0^s **18/6^{AA}**
24/7 8/0 12/4 16/4

Rs. 20,000/-
की बचत

कैमरा बॉडी एमआरपी पर,
सेलेक्ट लेंस के साथ खरीदने पर



अधिक जानकारी
के लिए स्कैन करें

ऑफर 12 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 तक लागू

लखनऊ में सजा फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का भव्य मंच

इंडिया फोटो वीडियो एक्सपो उत्तर प्रदेश 11 से 13 सितम्बर 2026 में तकनीक, उपकरण और रचनात्मकता का शानदार संगम



नैनीताल के बिगोनिया : एक जीती-जागती विरासत



लेखिका : अंजू जंगती

मानसून की शुरुआत के साथ ही जब नैनीताल की पहाड़ियों और झील पर कोहरा छाने लगता है, तो बिगोनिया प्रेमियों के दिलों में एक जानी-पहचानी उत्सुकता और खुशी जाग उठती है। साल भर के लंबे इंतजार और देखभाल के बाद आखिरकार उनके चहेते फूल खिलने को तैयार होते हैं और उनके सब्र को चटख रंगों का तोहफा देते हैं। बालकनियों, बरामदे, छतों और बगीचे फूलों से महक उठते हैं, लेकिन बरसात के मौसम में खिलने वाले तमाम फूलों के बीच बिगोनिया का अपना एक अलग ही आकर्षण है। लाल, गुलाबी, नारंगी, पीले और सफेद रंगों के बड़े और नाजुक फूल घनी हरी पत्तियों के बीच खिलकर नैनीताल के मानसूनी नजारे का एक अहम हिस्सा बन चुके हैं।



पीढ़ियों से नैनीताल और आसपास की पहाड़ियों के फूल प्रेमी बड़े प्यार और सब्र से बिगोनिया को संवारते आ रहे हैं। बाहर से लाकर सजावट के लिए लगाया गया यह पौधा धीरे-धीरे हिमालय की ठंडी और नम हवा में पूरी तरह रच-बस गया और कुमाऊं की बागवानी परंपरा की पहचान बन गया। आज बागवानों, होटलों और स्थानीय निवासियों को इनके खिलने का बेसब्री से इंतजार रहता है, वहीं इसकी खेती अब बागवानी से जुड़े एक छोटे लेकिन तेजी से बढ़ते कारोबार का रूप ले चुकी है।



बिगोनिया अपने अनोखे आकारों, बनावट और रंगों की विविधता के लिए जाने जाते हैं। इन्हें मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा जाता है - रेशेदार जड़ वाले (फाइब्रस) और गांठदार कंद वाले (ट्यूबरस)। फाइब्रस बिगोनिया जहां अपनी खूबसूरत पत्तियों के लिए पसंद किए जाते हैं, वहीं ट्यूबरस बिगोनिया अपने बड़े, चमकदार फूलों और अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में बेहतर तरीके से पनपने की खूबी के लिए जाने जाते हैं। नैनीताल में ट्यूबरस किस्में बेहद लोकप्रिय हैं। इन्हें अक्सर गमलों और लटकने वाली टोकरीयों (हैंगिंग बास्केट) में देखा जाता है। यूरोपीय ब्रीडर्स ने इसकी रफल, रोजफॉर्म, पिकोटी और मार्जिनाटा जैसी कई खूबसूरत किस्में तैयार की हैं। इनके खिलने का समय मॉनसून के साथ बहुत खूबसूरती से मिलता है। नैनीताल में ये आमतौर पर मध्य जून से खिलना शुरू होकर अक्टूबर या नवंबर तक खिले रहते हैं, और उस समय पूरे शहर को रंगों से भर देते हैं जब पहाड़ अपनी सबसे घनी हरियाली में होते हैं।



कुमाऊं में बिगोनिया की कहानी नैनीताल के जाने-माने वकील और प्रकृति प्रेमी स्वर्गीय हेम चंद्र भट्ट से जुड़ी है। ब्रिटिश दौर में इस फूल से परिचित होने के बाद उनके मन में इसके प्रति लगाव जागा और 1950 के दशक के आखिर में उन्हें इसे उगाने का मौका मिला। उनके बेटे, कर्नल विवेक भट्ट याद करते हैं कि उनके पिता को यूके (ब्रिटेन) से लौट रहे एक मुक्किल के जरिए बिगोनिया के नौ कंद (बल्ब) मिले थे। वही नौ कंद परिवार के बिगोनिया संग्रह की नींव बने।

कर्नल विवेक भट्ट बताते हैं, "पिताजी ने पौधों को आगे बढ़ाया और अपने छोटे भाई पीतांबर भट्ट को भी इससे जोड़ा, जिन्होंने भवाली के पास हमारे पारिवारिक बगीचे में इन्हें उगाना शुरू किया। समय के साथ मेरे पिता और चाचाजी ने पाँच सौ से अधिक गमलों का विशाल संग्रह तैयार कर लिया। धीरे-धीरे यह फूल हमारे पारिवारिक बगीचे से निकलकर अन्य फूल प्रेमियों तक पहुँचा।

कंद और कलमों का आदान-प्रदान हुआ और नैनीताल व भवाली के बागवानों ने अपने-अपने संग्रह संवारने शुरू कर दिए।"

यह परंपरा कर्नल भट्ट के साथ आज भी जारी है, जो अब रामगढ़ में अपने बगीचे में बिगोनिया उगाते हैं। उनका कहना है कि बागवानी उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा रही है। उनका सालाना बागवानी कैलेंडर मार्च-अप्रैल में डेफोडिल और ट्यूलिप से शुरू होता है, मई-जून में हाइड्रेंजिया और जेरैनियम खिलते हैं, और जुलाई से अक्टूबर का समय उनके पसंदीदा बिगोनिया के नाम रहता है। दुर्लभ पौधों की तलाश में वे देश भर में घूमे हैं, यहाँ तक कि दुर्लभ जेरैनियम और हाइड्रेंजिया लाने के लिए उन्होंने नागालैंड तक का सफर किया। आज उनके पास बिगोनिया की कई दुर्लभ किस्में मौजूद हैं।



नैनीताल में इस फूल की सफलता कोई इत्तफाक नहीं है। यहाँ की ठंडी जलवायु, नमी, कोहरा और अनुकूल मिट्टी ने इसे खूब फलने-फूलने दिया। पद्मश्री अनूप साह, जो प्रकृति प्रेमी, छायाकार (फोटोग्राफर) हैं और इलाके की वनस्पतियों की गहरी समझ रखते हैं, बताते हैं कि बिगोनिया सिर्फ सजावटी बगीचों तक ही सीमित नहीं है। वे साझा करते हैं, "बिगोनिया कई आकारों और रंगों में मिलते हैं और ये मौसमी या बारहमासी हो सकते हैं। फाइब्रस किस्म की पत्तियाँ सुंदर होती हैं पर फूल कम आते हैं, जबकि ट्यूबरस किस्में ऊँचाई वाले इलाकों में बड़े और चटख फूलों के साथ खिलती हैं।"

वे आगे बताते हैं, "नैनीताल के छायादार और नम इलाकों, खास तौर पर अयारपाटा और शेर-का-डांडा में जलस्रोतों के पास बिगोनिया की जंगली प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं। बगीचों में खिलने वाली सजावटी किस्में और कुदरती जंगलों में मौजूद देसी प्रजातियाँ मिलकर इस पहाड़ी इलाके के प्राकृतिक सौंदर्य को पूरा करती हैं।"

बिगोनिया के फैलाव में कई समर्पित बागवानों का बड़ा हाथ रहा। इनमें स्वर्गीय शेखर चंदोला का नाम खास तौर पर याद



किया जाता है, जिन्होंने इसे बढ़ावा देने के लिए वर्षों मेहनत की और साथी बागवानों को पौधे व कंद बांटे। नैनीताल की पुष्प प्रदर्शनियों ने भी अहम भूमिका निभाई। कर्नल सुदन और डॉ. भट्ट जैसे पुष्प प्रेमियों द्वारा गठित 'फ्लोरिस्ट लीग' ने पहाड़ों में बागवानी को प्रोत्साहित किया। सी. एल. साह थुलघरिया ने नैनीताल, रानीखेत, अल्मोड़ा और हल्द्वानी में बागवानी को बढ़ावा दिया। 1970 के दशक में राजभवन के मुख्य माली डालाकोटी ने बीजों से बिगोनिया उगाने के सफल प्रयोग किए, जिससे बेहतर गुणवत्ता और नए रंगों के पौधे तैयार हुए।



समय के साथ बिगोनिया का यह शौक आजीविका का जरिया भी बना। कैंची धाम के पास निगलाट के रहने वाले मानिक मेहरा का परिवार पिछले करीब चार दशकों से बिगोनिया उगा रहा है। नए-नए प्रयोगों के बाद आज उनके पास 15,000 से अधिक गमले हैं। वे कुमाऊं के अलावा पूर्वोत्तर (नॉर्थ-ईस्ट) के दूरदराज इलाकों तक पौधे और कंद भेजते हैं। मुनस्यारी, रानीखेत, अल्मोड़ा, चंपावत, पिथौरागढ़, लोहाघाट और नैनीताल से लोग इनके पास पौधे खरीदने आते हैं।

फरवरी आते ही बागवान मिट्टी तैयार करने लगते हैं। इसके लिए बांज (ओक) के पेड़ों की सड़ी हुई काली पत्तियाँ इकट्ठा की जाती हैं, जो बिगोनिया के शानदार फूलों के

लिए संजीवनी का काम करती हैं। मेहरा बताते हैं कि वे खरीदारों को पानी देने, कंदों को सहेजने और पौधों की हिफाजत के तरीके भी सिखाते हैं। फूल खत्म होने के बाद कंदों को मार्च तक बिना पानी दिए मिट्टी में ही रखा जाता है। मार्च से हल्की नमी दी जाती है और फिर उन्हें वर्मीकंपोस्ट व बांज की पत्तियों की खाद से भरे नए गमलों में रोपा जाता है।

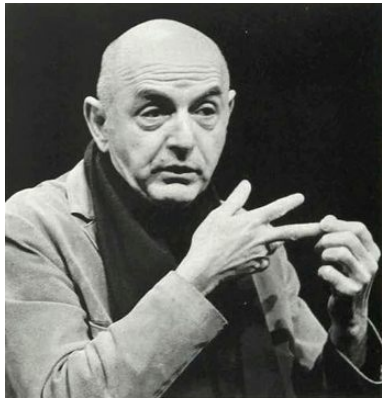


स्वर्गीय कुंवर सिंह, हरीश उप्रेती, बच्ची सिंह रावत, गोविंद सिराला, हरीश जोशी, सुमित साह, चंदन जोशी, चंदन नेगी, नवीन जोशी, आनंद खम्पा, अजय भट्ट और खुरपाताल के कमलेश पांडे जैसे कई बागवानों ने इस परंपरा को जिंदा रखा है। भवाली, भीमताल और हल्द्वानी की नर्सरियों ने भी घरों, होटलों और सरकारी संस्थानों तक इन फूलों की पहुँच आसान बना दी है।

'फ्लोरिस्ट लीग, इंडिया' के अध्यक्ष कर्नल विवेक भट्ट बताते हैं, "हमने 1985 में बनी फ्लोरिस्ट लीग को फिर से सक्रिय किया है, ताकि स्थानीय लोगों में सजावटी और मौसमी पौधे उगाने की आदत को बढ़ावा देकर शहर की प्राकृतिक सुंदरता को और समृद्ध किया जा सके। पारंपरिक फूल प्रदर्शनियों के अलावा अब हम फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं, वर्कशॉप, सेमिनार, नेचर वॉक और टॉक शो के जरिए स्कूली बच्चों को जोड़ेंगे। साथ ही अल्मोड़ा, रानीखेत और पिथौरागढ़ में इसकी शाखाएं खोलकर युवा पीढ़ी को हिमालय की जैव-विविधता से जोड़ने की हमारी योजना है।"

नैनीताल में बिगोनिया की कहानी सिर्फ एक फूल की कहानी नहीं है। यह उन इंसानों की कहानी है, उस वकील की जो नौ कंद लेकर पहाड़ों पर आए, उस परिवार की जिसने इन्हें सहेजा, और उन पीढ़ियों की जिन्होंने एक विदेशी पौधे को कुमाऊं की पहचान बना दिया। हर मानसून जब धुंध से घिरी वादियों में बिगोनिया खिलते हैं, तो ऐसा लगता है मानो बीता हुआ कल फिर मुस्कुरा उठा हो। इनकी नाजुक पंखुड़ियों में दशकों की यादें, मेहनत और जज्बा महकता है, जो इन्हें सिर्फ नैनीताल का फूल नहीं बल्कि बागवानी के प्रति यहाँ के अटूट प्यार की एक जीती-जागती विरासत बनाता है।

महान विभूतियाँ



डुआन स्टीफन माइकल्स

डुआन स्टीफन का जन्म 18 फरवरी 1932 को पेंसिल्वेनिया के मैकीजपोर्ट में हुआ था। वे न्यूयॉर्क शहर में रहते थे। उनका पालन-पोषण कैथोलिक परिवार में हुआ था।

डुआन स्टीफन माइकल्स एक अमेरिकी फोटोग्राफर थे। उनके काम में कहानी कहने का अंदाज साफ दिखाई देता था, जबकि उस समय फोटोग्राफी की दुनिया में इस तरह की शैली पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। उनके फोटोग्राफ्स पर अक्सर सुररियलिज्म का प्रभाव दिखाई देता था। माइकल्स ने फोटो-सीक्वेंस का नए और रचनात्मक तरीके से इस्तेमाल किया। वे अक्सर तस्वीरों के साथ अपने हाथ से लिखे हुए शब्द भी जोड़ते थे। इसके माध्यम से वे भावनाओं और जीवन से जुड़े दार्शनिक विचारों को व्यक्त करने की कोशिश करते थे।

माइकल्स की कला में रुचि 14 वर्ष की उम्र में शुरू हुई। उस समय उन्होंने पिट्सबर्ग स्थित कार्नेगी इंस्टीट्यूट में यूनिवर्सिटी-लेवल की वॉटरकलर कक्षाओं में भाग लिया। 1953 में उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ डेनवर से बी.ए. की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने दो वर्ष यू.एस. आर्मी में सेवा की। 1956 में उन्होंने पार्सन्स स्कूल ऑफ डिजाइन में पढ़ाई शुरू की। उनका उद्देश्य ग्राफिक डिजाइन बनना था, लेकिन उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की।

माइकल्स ने अपनी फोटोग्राफी की कला को "पूरी तरह सेल्फ-टॉट" यानी खुद सीखी

डुआन स्टीफन माइकल्स

Hon. FRPS

(18 फरवरी 1932 - 9 जून 2026)



हुई बताया। 1958 में यू.एस.एस.आर. की यात्रा के दौरान उनकी रुचि फोटोग्राफी में बढ़ी। इस यात्रा के दौरान उन्होंने जो तस्वीरें खींचीं, वही आगे चलकर उनकी पहली प्रदर्शनी का हिस्सा बनीं। उनकी पहली फोटो प्रदर्शनी 1963 में न्यूयॉर्क शहर की अंडरग्राउंड गैलरी में आयोजित हुई।

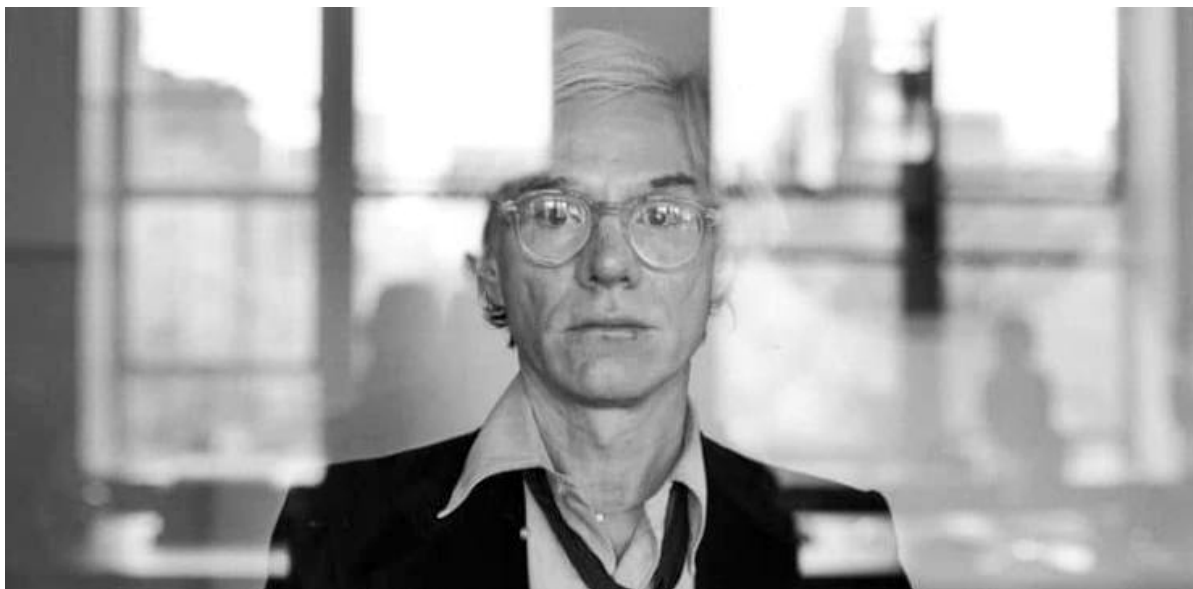
कई सालों तक माइकल्स ने एक व्यावसायिक फोटोग्राफर के रूप में काम किया। उन्होंने एस्क्वायर और मैडेमोइसेल जैसी पत्रिकाओं के लिए तस्वीरें खींचीं। वोग पत्रिका के लिए उन्होंने 1974 में बनी फिल्म द ग्रेट गैट्सबी की शूटिंग की तस्वीरें भी

खींचीं। माइकल्स का अपना कोई स्टूडियो नहीं था। वे लोगों की तस्वीरें उनके घर या उनके आसपास के माहौल में लेना पसंद करते थे। उस समय के मशहूर फोटोग्राफर रिचर्ड एवेडॉन और इरविंग पेन आमतौर पर स्टूडियो में तस्वीरें खींचते थे। माइकल्स का तरीका उनसे अलग था।

1968 में मैक्सिको सरकार ने माइकल्स को समर ओलंपिक्स की तस्वीरें खींचने के लिए नियुक्त किया। इस काम के दौरान खींची गई उनकी तस्वीरों की प्रदर्शनी दो साल बाद न्यूयॉर्क के म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट (MoMA) में लगाई गई। 1958 से

1988 के बीच माइकल्स ने जो पोर्ट्रेट्स खींचे, उन्हीं के आधार पर बाद में उनकी किताब एल्बम प्रकाशित हुई। 1976 में उन्हें

नेशनल एंडोमेंट फॉर द आर्ट्स से आर्थिक सहायता मिली। 1983 में उन्होंने प्रसिद्ध संगीत समूह द पुलिस के एल्बम





सिंक्रोनिसिटी के लिए आर्टवर्क भी तैयार किया।

माइकल्स सीधे तौर पर गे सिविल राइट्स आंदोलन से जुड़े नहीं थे, लेकिन उनकी फोटोग्राफी में गे लाइफ से जुड़े कई पहलू दिखाई देते हैं, खासकर शहरों के जीवन से जुड़े हुए। 1987 में उन्होंने कलाकार, राजनीति और सत्ता के बीच संबंधों पर अपने विचार साझा किए। उस समय एड्स के कारण गे कम्युनिटी बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही थी। माइकल्स का मानना था कि अगर कोई कलाकार वास्तव में राजनीति में सक्रिय होकर बदलाव लाना चाहता है, तो उसे केवल कैमरे के जरिए अपनी बात कहने के बजाय खुद आगे आकर कुछ करना चाहिए। उन्होंने जर्मन कलाकार जॉन हार्टफील्ड का उदाहरण दिया। हार्टफील्ड ने अपनी कला के माध्यम से नाजीस का विरोध किया था और इसके लिए उन्होंने बहुत बड़ा जोखिम उठाया था। माइकल्स ने उनके साहस और रचनात्मकता की प्रशंसा की।

माइकल्स ने बताया कि उनकी कला पर बाल्थस, विलियम

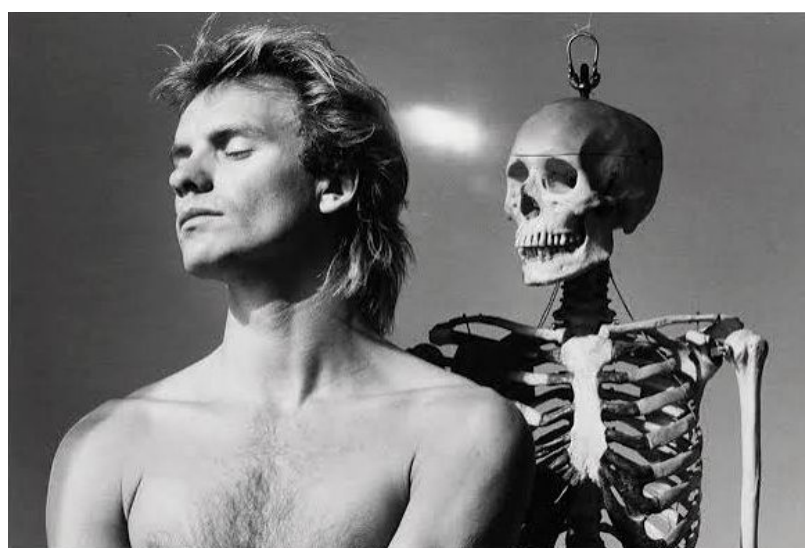
ब्लेक, लुईस कैरोल, थॉमस ईकिन्स, रेने मैग्रिट, जॉर्जियो डी चिरिको और वॉल्ट व्हिटमैन का प्रभाव रहा। इनमें से बाल्थस, मैग्रिट और डी चिरिको ने उन्हें अपनी तस्वीरें लेने की अनुमति भी दी। बाद में माइकल्स की फोटोग्राफी का प्रभाव डेविड लेविनथल और फ्रांसेस्का वुडमैन जैसे फोटोग्राफर्स पर भी पड़ा।

1960 और 1970 के दशक में माइकल्स ने आर्टिस्टिक फोटोग्राफी में दो नई और खास तकनीकों को लोकप्रिय बनाया। पहली, उन्होंने तस्वीरों की एक श्रृंखला के जरिए कहानी सुनाने का तरीका अपनाया। इसका अच्छा उदाहरण उनकी 1970 में प्रकाशित किताब सीक्वेंसेज है। दूसरी, वे अपनी तस्वीरों के पास हाथ से लिखे हुए शब्द भी जोड़ते थे। इससे वे तस्वीर के जरिए न बताई जा सकने वाली जानकारी, भावनाएं और विचार लोगों तक पहुंचाते थे।

माइकल्स ने कई किताबें और प्रकाशन किए। उनकी 10 सोलो एग्जिबिशन और 5 ग्रुप एग्जिबिशन भी आयोजित हुईं। उन्हें अपने काम के लिए कई पुरस्कार और सम्मान मिले। इनमें प्रमुख हैं :

- 1991 में द रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी द्वारा ऑनरेरी फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- 1994 में नेशनल आर्ट्स क्लब ने उन्हें फोटोग्राफी के लिए गोल्ड मेडल दिया।
- 2000 में स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स ने उन्हें मास्टर्स सीरीज अवॉर्ड प्रदान किया।
- 2020 में उन्हें इंटरनेशनल फोटोग्राफी हॉल ऑफ फेम एंड म्यूजियम में शामिल किया गया।

डुआन स्टीफन माइकल्स का 9 जून 2026 को 94 वर्ष की उम्र में अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन में निधन हो गया। उन्होंने फोटोग्राफी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई और अपने पीछे एक महत्वपूर्ण कलात्मक विरासत छोड़ी।



अनिल रिसाल सिंह

MFIAP (France), ARPS (Great Britain),
Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India),
AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India),
Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA),
Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America),
Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India),
Hon.FWPAL (India), Hon.FGGC (India),
Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

फोटोग्राफी में कम्पोजीशन का महत्व



अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

मानव आंख किसी भी तस्वीर (Photograph) को पूरी तरह यादृच्छिक (Random) तरीके से नहीं देखती। जब कोई दर्शक (Viewer) किसी छवि को देखता है, तो उसकी नजर स्वाभाविक रूप से उन तत्वों (Elements) की ओर आकर्षित होती है जो विजुअली अधिक प्रभावशाली, स्पष्ट या संतुलित दिखाई देते हैं। यही कारण है कि फोटोग्राफी में कम्पोजीशन का मुख्य उद्देश्य दर्शक की दृष्टि को नियंत्रित और निर्देशित करना होता है।

प्रसिद्ध फोटोग्राफर और लेखक ब्रूस बर्नबौम (Bruce Barnbaum) के अनुसार :

“एक प्रभावी कम्पोजीशन, दृश्य तत्वों को इस प्रकार व्यक्त करता है कि दर्शक की दृष्टि फ्रेम के भीतर एक नियोजित (Planned) और व्यवस्थित प्रवाह (De-randomized Flow) में आगे बढ़े।”

अर्थात्, तस्वीर देखने वाला अनजाने में उसी दिशा में देखने लगता है, जिस दिशा में फोटोग्राफर उसे ले जाना चाहता है।

जब फ्रेम में एक स्पष्ट विजुअल एंकर

(Visual Anchor), संतुलित स्पेसिंग और साफ-सुथरे तत्व मौजूद होते हैं, तब दर्शक बिना किसी भ्रम के सीधे मुख्य सब्जेक्ट तक पहुंच जाता है। इसके विपरीत, अत्यधिक भीड़भाड़, अनावश्यक वस्तुएं या असंतुलित फ्रेमिंग दर्शक का ध्यान भटका सकती है और फोटोग्राफी के प्रभाव को कम कर सकती है।

विजुअल प्लो को गाइड करने वाले टूल्स

फोटोग्राफी में लीडिंग लाइन्स (Leading Lines), कंट्रास्ट, लाइट डायरेक्शन, फ्रेमिंग और डेप्थ (Depth) जैसे कम्पोजीशन टूल्स दर्शक की आंख को गाइड करने का कार्य करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी सड़क, नदी, दीवार या परछाई (Shadow) की रेखाएं दर्शक की दृष्टि को प्राकृतिक रूप से सब्जेक्ट की ओर ले जाती हैं। इसी प्रकार एक चमकता हुआ (Bright) सब्जेक्ट, गहरे (Dark) बैकग्राउंड के बीच अधिक प्रभावशाली दिखाई देता है।

एक मजबूत कम्पोजीशन दर्शक को केवल इमेज दिखाता नहीं है, बल्कि उसे वह इमेज भूलने भी नहीं देता। यही विजुअल प्लो तस्वीर को अधिक आकर्षक (Engaging), अर्थपूर्ण और भावनात्मक रूप से शक्तिशाली बनाता है। इसीलिए प्रोफेशनल फोटोग्राफी में कम्पोजीशन को व्यूअर साइकोलॉजी (Viewer Psychology) और विजुअल कम्युनिकेशन (Visual Communication) का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है।

रूल ऑफ थर्ड्स (Rule of Thirds)

फोटोग्राफी में 'रूल ऑफ थर्ड्स' सबसे

लोकप्रिय और क्लासिक कम्पोजीशन तकनीकों में से एक मानी जाती है। इस तकनीक में पूरे फ्रेम को दो क्षैतिज (Horizontal) और दो लंबवत (Vertical) काल्पनिक रेखाओं की सहायता से कुल नौ बराबर भागों में विभाजित किया जाता है। इन रेखाओं के आपस में कटने (Intersect) वाले चार मुख्य बिंदुओं को 'विजुअल पावर पॉइंट्स' (Visual Power Points) कहा जाता है।

जब कोई फोटोग्राफर किसी सब्जेक्ट को इन ग्रिड लाइन्स या इंटरसेक्शन पॉइंट्स पर रणनीतिक रूप से रखता है, तब तस्वीर में एक प्राकृतिक संतुलन, विजुअल हार्मनी और एक गतिशीलता (Dynamic Tension) उत्पन्न होती है। यह तकनीक दर्शक की आंख को फ्रेम के भीतर एक सहज और आकर्षक प्लो प्रदान करती है।

सामान्यतः शुरुआती फोटोग्राफर्स (Beginners) सब्जेक्ट को फ्रेम के बिल्कुल केंद्र (Center) में रख देते हैं, जिससे तस्वीर स्थिर (Static) और कम आकर्षक दिखाई दे सकती है। इसके विपरीत, रूल ऑफ थर्ड्स सब्जेक्ट को थोड़ा ऑफ-सेंटर (Slightly Off-center) रखने की सलाह देता है, जिससे इमेज अधिक प्राकृतिक, सिनेमाई और आंखों को सुकून देने वाली प्रतीत होती है।

लैंडस्केप फोटोग्राफी में : क्षितिज (Horizon) को फ्रेम के बिल्कुल बीच में रखने के बजाय, ऊपरी तिहाई (Upper Third) या निचली तिहाई (Lower Third) रेखा पर रखने से दृश्य अधिक संतुलित दिखाई देता है।

पोर्ट्रेट फोटोग्राफी में : सब्जेक्ट की आंखों को ऊपरी इंटरसेक्शन पॉइंट्स के पास

रखने से तस्वीर ज्यादा एक्सप्रेसिव और प्रभावशाली बनती है।

यह तकनीक दर्शक की दृष्टि को मुख्य सब्जेक्ट की ओर स्वाभाविक रूप से गाइड करती है तथा फ्रेम में अनावश्यक खालीपन या असंतुलन को कम करती है। यही कारण है कि अधिकांश प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स कम्पोजीशन की शुरुआत रूल ऑफ थर्ड्स से करना पसंद करते हैं।

हालांकि, यह कोई कठोर नियम नहीं है, बल्कि एक क्रेएटिव गाइडलाइन (Creative Guideline) है, जिसे दृश्य के मिजाज, मूड और कलात्मक इरादे (Artistic Intention) के अनुसार तोड़ा भी जा सकता है। फिर भी, फोटोग्राफी सीखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह कम्पोजीशन की समझ का सबसे महत्वपूर्ण शुरुआती स्तंभ है।

लीडिंग लाइन्स (Leading Lines)

फोटोग्राफी में 'लीडिंग लाइन्स' एक अत्यंत प्रभावशाली तकनीक मानी जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य व्यूअर की दृष्टि को सीधे मुख्य सब्जेक्ट की ओर ले जाना होता है। यह तकनीक फ्रेम के भीतर प्राकृतिक (Natural) या मानव निर्मित (Man-made) रेखाओं का उपयोग करके एक विजुअल रास्ता (Visual Pathway) तैयार करती है, जिससे फोटोग्राफ अधिक डायनेमिक और जीवंत दिखाई देता है।

सड़क, नदियां, पुल, रेल की पटरियां, दीवारें, परछाइयां या वास्तुकला (Architecture) की रेखाएं लीडिंग लाइन्स के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जब ये रेखाएं किसी मुख्य सब्जेक्ट की ओर जाकर मिलती (Converge) हैं, तब तस्वीर में एक मजबूत

विजुअल डायरेक्शन और गहरी डेप्थ (Enhanced Depth) उत्पन्न होती है। इससे इमेज केवल एक सपाट सतह (Flat Surface) न लगकर थ्री-डायमेंशनल (3D) अहसास प्रदान करने लगती है।

लीडिंग लाइन्स दर्शक की आंख को बिना किसी भटकाव के इमेज के सबसे महत्वपूर्ण भाग तक पहुंचाती हैं। यही कारण है कि यह तकनीक विजुअल स्टोरीटेलिंग (Visual Storytelling) को अधिक प्रभावशाली बनाती है और तस्वीर में गति (Movement) तथा प्रवाह का अनुभव उत्पन्न करती है।

विशेष रूप से लैंडस्केप, आर्किटेक्चर तथा स्ट्रीट फोटोग्राफी में लीडिंग लाइन्स का उपयोग फ्रेम को एक सिनेमाई और इमर्सिव (Immersive) लुक प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, किसी लंबी सड़क का क्षितिज (Horizon) की ओर बढ़ना दर्शक को ऐसा अनुभव देता है मानो वह स्वयं उस दृश्य के भीतर प्रवेश कर रहा हो।

एक प्रभावी लीडिंग लाइन कम्पोजीशन दर्शक के ध्यान को नियंत्रित करती है, फ्रेम में बैलेंस पैदा करती है तथा फोटोग्राफ को अधिक प्रोफेशनल और कलात्मक बनाती है।

तो दोस्तों, इस अंक में इतना ही! उम्मीद है कि आपको इस बार का यह तकनीकी लेख भी बेहद पसंद आया होगा और इससे आपके विजुअल नजरिए में नया बदलाव आएगा। अपने भीतर के फोटोग्राफर को ज़िंदा रखिए, अभ्यास करते रहिए और अपना बहुत ख्याल रखिए! मिलते हैं अगले अंक में कुछ नई तकनीकों के साथ!



RULE OF THIRD



RULE OF THIRD



LEADING LINES

Canon
image Square

सेहता डिजिटल
— लालबाग, लखनऊ —

सब कुछ
एक ही जगह

Photography के लिए जो भी चाहिए,
वो सब मिलेगा सेहता डिजिटल पर।

CANON
EXCLUSIVE PRICES
FOR PHOTOGRAPHERS
बेहतर गियर, बेहतर कीमत

उत्तर प्रदेश का
एक्सक्लूसिव
CANON स्टोर



7275291811 | 7007347365

100% GENUINE
PRODUCTS

EXPERT GUIDANCE

AFTER SALES SUPPORT

EXCLUSIVE PRICES
FOR PROFESSIONALS

सेहता डिजिटल • शिवा चैम्बर्स, 7 कैपेर रोड, नॉवेल्टी सिनेमा के पास, लालबाग, लखनऊ - 226001

पृष्ठ 4 से आगे ...

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें



Length Range प्रदान करता है, जो Wide-Angle से Short Telephoto तक उपयोगी है। नए स्मदे में Splashproof Design और बेहतर Close-Focusing क्षमता दी गई है। Travel, Landscape, Portrait और Everyday Photography के लिए इसे उपयोगी बनाया गया है। इसका Compact आकार हल्के OM System कैमरों के साथ इसे सुविधाजनक बनाता है।

Insta360 ने ग्लोबली लॉन्च किया Luna Pro Gimbal Camera



Insta360 ने Leica के साथ मिलकर विकसित की गई Luna Series में नया Luna Pro Gimbal Camera पेश किया है। कंपनी के अनुसार, नया मॉडल अब ग्लोबल मार्केट में उपलब्ध होगा और इसमें हाई-एंड Luna Ultra के कई प्रमुख Features शामिल किए गए हैं। Gimbal Camera System और Advanced Imaging Capabilities के साथ तैयार Luna Pro को Content Creators और Videographers को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह कैमरा Insta360 की Luna Series का विस्तार करते हुए Handheld Video Production के लिए नया विकल्प पेश करता है।

BenQ ने Video Editors के लिए पेश किए नए Professional 4K Monitors



BenQ ने Creative Pro PV3250U और PV2750U Professional 4K Monitors पेश किए हैं। ये कंपनी के पहले Professional Monitors हैं, जिन्हें विशेष रूप से Video Color Grading के लिए डिजाइन किया गया है। दोनों Displays में 3D LUT Hardware Calibration और Content Creation के लिए Dedicated Tools दिए गए हैं। इन्हें Professional Video Editing में Accurate और Consistent Color Management को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नए Monitors Filmmakers, Video Editors और Colorists के लिए उपयोगी होंगे।

Desview ने पेश किए तीन नए Professional Field Monitors



Desview ने तीन नए Professional Field Monitors - OL14 Pro, OL16 Max और OL16 Ultra 12G पेश किए हैं। इन्हें

Professional Video Production Workflow को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। नए Monitors में बड़े और Bright Displays के साथ Accurate Color Reproduction तथा Professional Monitoring Features दिए गए हैं। कंपनी के अनुसार, ये मॉडल On-Set Video Production में काम करने वाले Filmmakers और Video Crews की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। यह सीरीज Professional Monitoring और Camera-Assist Applications के लिए उपयोगी होगी।

Atomos ने लॉन्च किया सबसे Bright Shinobi 7 II Monitor



Atomos ने अपना अब तक का सबसे Bright Shinobi Monitor, Shinobi 7 II, पेश किया है। 7-इंच का Ultra-Slim HDR Monitor 2,800 Nits की Peak Brightness और 1920x1080 Touchscreen के साथ आता है। इसमें 4Kp30 तक HDMI Input, USB-C Camera Control, Power Delivery और Display Calibration की सुविधा है। यह Aperture, Shutter, ISO और White Balance Control तथा Touch-to-Focus को सपोर्ट करता है। HDR, 3D LUT और 10 Stops तक Dynamic Range Monitoring इसे Professional Video Production के लिए उपयोगी बनाते हैं।

Fujifilm ने पेश किया नए डिजाइन वाला Instax Pal 2 Digicam



Fujifilm ने नया Instax Pal 2 Digital Camera पेश किया है, जिसे पिछले मॉडल की तुलना में पूरी तरह नए डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। इसमें Analog-Inspired Look दिया गया है और कैमरे के डिजाइन व फीचर्स में कई बदलाव किए गए हैं। यह छोटा और पोर्टेबल Digicam रोजमर्रा के Moments को आसानी से कैप्चर करने के लिए बनाया गया है। Fujifilm की Instax शैली से प्रेरित इसका Retro Look इसे Casual Photography के लिए एक अलग विकल्प बनाता है।

Sony ने पेश किए हल्के FE 400mm और 600mm G Master Lenses



Sony ने दो नए Telephoto Prime Lenses - FE 400mm f/4.5 GM OSS और FE 600mm f/6.3 GM OSS - पेश किए हैं। दोनों लेंस का डिजाइन, आकार और फीचर्स काफी समान हैं और इन्हें हल्का व पोर्टेबल

बनाया गया है। नया 400mm f/4.5 GM अपनी Compact Design और Portability के कारण खास है तथा Sony की G Master Telephoto Range में अपेक्षाकृत आसान प्रवेश विकल्प प्रदान करता है। Wildlife, Sports और Outdoor Photography के लिए दोनों लेंस उपयोगी होंगे।

Adobe ने लॉन्च किए Photoshop और Premiere Elements 2027



Adobe ने Photoshop Elements 2027 और Premiere Elements 2027 पेश किए हैं। नए Versions में कई ऐसे Tools शामिल किए गए हैं, जिन्हें खासतौर पर Beginners के लिए Photo और Video Editing को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। नए Simplified Workflows की मदद से यूजर्स कम समय और कम जटिलता के साथ बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं। Photoshop Elements 2027 में नए Photo Editing Features, जबकि Premiere Elements 2027 में Video Creation और Editing के लिए Updated Tools दिए गए हैं।

Panasonic ने पेश किया Compact Lumix S 20mm f/2.5 Prime Lens



Panasonic ने Full-Frame L-Mount Cameras के लिए नया Compact Ultra-Wide Prime Lens Lumix S 20mm f/2.5 पेश किया है। इसका छोटा और हल्का डिजाइन खासतौर पर Lumix S9 जैसे Compact Camera Bodies के साथ उपयोग के लिए उपयुक्त है। 20mm Focal Length व्यापक Field of View उपलब्ध कराती है, जिससे Travel, Landscape, Architecture और Everyday Photography में इसे उपयोग किया जा सकता है। यह लेंस बड़े और भारी Lens के बिना Ultra-Wide Perspective चाहने वाले फोटोग्राफर्स के लिए उपयोगी विकल्प है।

Viltrox ने L-Mount के लिए पेश की पूरी Air Series Prime Lens Range



Viltrox ने अपनी पूरी Air Series Prime Lens लाइनअप को Leica L-Mount के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इस सीरीज में चार Compact Prime Lenses - 14mm f/4, 20mm f/2.8, 40mm f/2.5 और 50mm f/2 - शामिल हैं। इसके साथ L-Mount Photographers को Ultra-Wide से Standard Focal Length तक कई Lightweight Lens Options मिलेंगे। Compact Design और अलग-अलग Focal

Length के साथ Air Series को Everyday, Travel और Creative Photography के लिए तैयार किया गया है।

Adobe ने Google Gemini में जोड़े Lightroom और Photoshop Tools



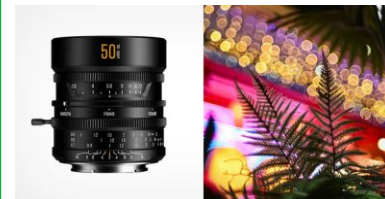
Adobe ने अपने Lightroom और Photoshop के Tools को सीधे Google के Gemini AI Platform में उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इस Integration के बाद यूजर्स Gemini के भीतर ही Adobe के Photo Editing Tools का उपयोग कर सकेंगे, जिससे AI-Assisted Editing Workflow अधिक आसान हो सकता है। इससे पहले Adobe अपने Tools को ChatGPT, Claude, Slack और Copilot जैसे Platforms के साथ भी जोड़ चुका है। Gemini Integration के साथ Adobe ने AI Platforms के जरिए अपने Creative Tools की पहुंच और बढ़ा दी है।

SmallRig और CineD ने पेश की 15 सेकंड में तैयार होने वाली OrBrella FM 60B Light



SmallRig और CineD ने मिलकर OrBrella FM 60B Foldable LED Video Light पेश की है। यह एक Two-in-One Umbrella Lighting System है, जिसे आसानी से Fold करके ले जाया जा सकता है और लगभग 15 सेकंड में पूरी तरह Deploy किया जा सकता है। Umbrella-Style Design के कारण यह Soft और Diffused Light देने के लिए तैयार की गई है। Photography और Video Production के लिए यह Portable Lighting Solution तेज Setup, आसान Storage और Soft Lighting की सुविधा प्रदान करता है।

Brightin Star ने पेश किया 50mm f/2 Tri-Sight Lens, Bokeh को करें Customize



Brightin Star ने CP+ में घोषित अपने अनोखे 50mm f/2 Tri-Sight Manual Focus Lens को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। यह Full-Frame Cameras के लिए E, L, RF और Z-Mount में उपलब्ध है। लेंस की खासियत इसके तीन अलग-अलग Rendering Modes हैं, जिनकी मदद से फोटोग्राफर्स तस्वीरों के Visual Character और Bokeh को बदल सकते हैं। Creative Effects और Unconventional Image Rendering पसंद करने वाले फोटोग्राफर्स के लिए यह Traditional 50mm Prime Lens से अलग अनुभव प्रदान करता है।

7Artisans ने पेश किया Compact AF Lite 18mm f/2 Pancake Lens



7Artisans ने APS-C Mirrorless Cameras के लिए नया AF Lite 18mm f/2 Compact Pancake-Style Autofocus Prime Lens पेश किया है। फिलहाल यह Sony E-Mount में उपलब्ध है। हल्के और Compact Design वाला यह Lens Travel और Street Photography के लिए उपयोगी है, जबकि 18mm Focal Length Landscape और Creative Portraits के लिए भी इस्तेमाल की जा सकती है। नया Lens Portability, Autofocus और Versatile Perspective को छोटे आकार में उपलब्ध कराता है।

Laowa T/S 24mm f/2 Tilt-Shift Lens जल्द होगा लॉन्च



Venus Optics नया Laowa T/S 24mm f/2 Tilt-Shift Lens जल्द लॉन्च करने की तैयारी में है। हालांकि अभी इसे अमेरिका में आधिकारिक रूप से घोषित नहीं किया गया है, लेकिन इसके जल्द बाजार में आने की उम्मीद है। यह Wide-Angle Lens Perspective, Focus Plane और Creative Image Rendering पर बेहतर नियंत्रण देने के लिए डिजाइन किया गया है। Architecture, Interior, Landscape और Specialized Creative Photography में Tilt-Shift Lenses काफी उपयोगी होते हैं। नया 24mm f/2 Laowa की Speciality Lens Range को और विस्तार देगा।

Instagram ने Reels के लिए लॉन्च किया AI Assistant, देगा नए Content Ideas



Instagram creators के लिए एक नया AI Video Assistant रोल आउट कर रहा है, जो उनके Reels performance का analysis करके आगे बनाए जाने वाले content के लिए सुझाव देगा। यह AI creator के पुराने Reels के प्रदर्शन को देखकर यह समझने में मदद करेगा कि किस तरह का content बेहतर response हासिल कर रहा है। इसके आधार पर creators को नए video ideas और content directions सुझाए जाएंगे, जिससे Reels planning और creation को अधिक data-driven बनाया जा सकेगा।

तकनीक से हुनर तक - वर्कशॉप की खास झलक



निकॉन द्वारा कैमरा वर्कशॉप, बड़ौत, उ.प्र. (09 सितम्बर 2026)



निकॉन द्वारा कैमरा वर्कशॉप, हापुड़ (10 सितम्बर 2026)



कैनन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, औरैया (15 सितम्बर 2026)



सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखीमपुर (16 सितम्बर 2026)



सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, अयोध्या (17 सितम्बर 2026)



सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, कानपुर (18 सितम्बर 2026)



गोडॉक्स द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, वाराणसी (20 सितम्बर 2026)



गोडॉक्स द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, प्रयागराज (21 सितम्बर 2026)



कैनन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, झांसी (22 सितम्बर 2026)



सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, एटा (22 सितम्बर 2026)



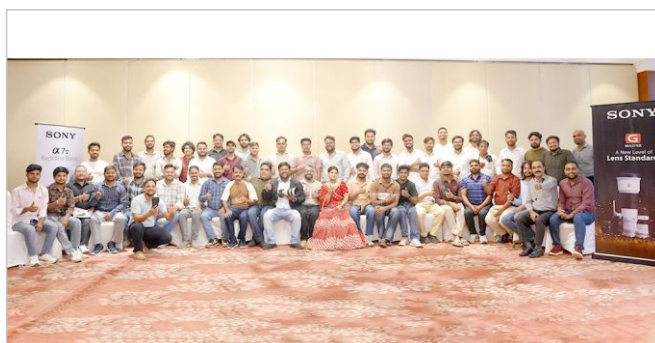
निकॉन द्वारा वेडिंग फोटोग्राफी वर्कशॉप, बस्ती (24 सितम्बर 2026)



निकॉन द्वारा न्यूबॉर्न फोटोग्राफी वर्कशॉप, गोरखपुर (25 सितम्बर 2026)



सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, हरदोई (26 सितम्बर 2026)



सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखनऊ (28 सितम्बर 2026)



फुजीफिल्म द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, भदोही (28 सितम्बर 2026)



सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, कानपुर (29 सितम्बर 2026)



कैनन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, सुल्तानपुर (29 सितम्बर 2026)



कैनन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखीमपुर (30 सितम्बर 2026)

उत्तराखंड फोले फेयर : हर फ्रेम में फोले फेयर की कहानी

देहरादून में 19-20 सितम्बर को सजा उत्तराखंड फोटो फेयर, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने किया उद्घाटन।



लम्हे
THE PHOTOBOOK

ज्यादा बड़ा साइज, ज्यादा शानदार इम्प्रेसन



आपके हर खास लम्हे के लिए

13" x 39"
एल्बम

कीमत वही,
साइज बड़ा

12" x 36"
के दाम में पाएं
13"x39"



12"x36" छोटा



13"x39" बड़ा

स्पेशल पोस्टर ऑफर

हर 13" x 39" एल्बम पर पाएं
20" x 30" पोस्टर
(PRINTING AREA 20" x 29")



हर फोटो बनेगी
और भी रॉयल

नया 13x39
फोटोबुक (एल्बम)

अब 12"x36" के रेट में
अपग्रेड होकर पाएं
13x39" रॉयल साइज

EQUIPPED WITH
HP INDIGO 15K
TRUE COLOURS. TRUE QUALITY.



हमारी प्रिंटिंग की विशेषताएं

- ☑ HD फुल रिज़ॉल्यूशन प्रिंटिंग
- ☑ हर फोटो और भी बड़ी, क्लियर और डिटेल् में
- ☑ प्रीमियम फिनिश के साथ रॉयल लुक
- ☑ वेडिंग और प्रीमियम एल्बम के लिए परफेक्ट
- ☑ बड़ा साइज, ज्यादा इम्पैक्ट, ज्यादा वैल्यू

KK JAIN COLOUR LAB, LUCKNOW

(MANAGED BY : KUSH OFFSET PRINTERS)

Address : 12, Ravindra Palli, Faizabad Road, Lucknow, U.P. - 226016

Email : kkjaincolourlab@gmail.com | Website : www.kkjaincolourlab.com



+91 9305103409, 7607999306, 9956740444, 9936375813

Z R

Z CINEMA
Nikon | RED

CREATOR'S CUT

6K

Highest
Resolution
6K/59.94p



Biggest Monitor
10.16 CM (4")
in its class



In-Camera
12-bit R3D NE &
N-RAW codec



World's First
32-bit Float
& OZO audio



Corporate/Registered Office & Service Centre: Nikon India Pvt. Ltd.,
Plot No. 71, Sector 32, Institutional Area, Gurugram 122001, Haryana,
(CIN-U74999HR2007FTC036820). Ph: 0124 4688500, Service Ph: 0124 4688514,
Service ID: nindsupport@nikon.com, sales and Support ID: nindsales@nikon.com,
For more information, please visit our website: www.nikon.co.in



Scan to explore



nikonindia

Panasonic

LUMIX

**Cherish.
Capture.
Celebrate.**

*Exceptional image quality
for every unforgettable moment.*



MRP ₹ 3,29,990

(Body Only)



LUMIX S1R II

New 44.3MP
Full-frame Sensor

177MP High
Resolution Mode

External SSD Rec

C4K/4K
120p 10-bit

779-point Phase Hybrid AF
with Advanced AI Technology

Body Weight : Approx. 795g



facebook.com/lumixIndia/
twitter.com/lumix_india
instagram.com/lumixIndia
youtube.com/@Panasonic4KImagingClub



Service Helpline:
080-6984-1333



www.panasonic.com/in
helpline@in.panasonic.com



Register at
<https://lumixclub.in.panasonic.com/>
to get 1 year additional warranty